2009 ... परीक्षा

माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्यप्रदेश, भोपाल

मु.उ.पु. 24 पृष्ठ

कार्यालयीन उपयोग के लिए

परीक्षा के नाम की सील: हाई स्कूल परीक्षा

केन्द्र क्रमांक की सील

11093

पर्यवेक्षक / केन्द्राध्यक्ष का प्रमाणीकरण

प्रमाणित किया जाता है कि परीक्षार्थी द्वारा निम्नानुसार पूरक उत्तरपुस्तिका ली गई है :–

क :– संख्या शब्दों में तीन अंकों में 3

ख :– परीक्षार्थी की बैठक व्यवस्था कक्ष क्रमांक 05 में है।

ग :– उत्तर पुस्तिका पर प्रश्न–पत्र का कोड नम्बर एवं सेट सही लिखा है।

निम्न रिक्तियों की सही प्रविष्टि परीक्षार्थी द्वारा की जाए।

1. विषय कोड 1 3 0 परीक्षा का विषय राजनीति विज्ञान

2. परीक्षा का माध्यम हिन्दी परीक्षा की दिनांक 23/03/09

3. परीक्षार्थी प्रश्न पत्र का पूर्ण कोड नम्बर (सेट A, B, C, या D) अनिवार्यतः भरें

कोड	सेट
U-2034	B

BOARD OF SECONDARY EDUCATION, M.P. BHOPAL

परीक्षार्थी का अनुक्रमांक (अंग्रेजी अंकों में)

2	9	7	1	1	5	5	2	2

5. नीचे दिये प्रत्येक कालम में ऊपर दिये गये अनुक्रमांक के अंकों को उसी क्रम में शब्दों में लिखा जाए :–

... पाँच दो दो

BSEMP

हस्ताक्षर (पर्यवेक्षक)

नाम M.K. ... पद U.D.T.

पता / संस्था M.L.B. JBP.

परीक्षार्थी द्वारा ली गई सभी पूरक उत्तर पुस्तिकायें, मुख्य उत्तर पुस्तिका के साथ संलग्न हैं।

हस्ताक्षर केन्द्राध्यक्ष

परीक्षार्थी, परीक्षक से अपेक्षा है कि वे पृष्ठ भाग पर दिये गये निर्देशों का यथेष्ट पालन सुनिश्चित करेंगे।

प्रमाणित किया जाता है कि उपरोक्तानुसार संलग्न पूरक उत्तर पु... चस्पा स्थिति में यथावत् रखते हुए ही उत्तरपुस्तिका का मूल्यांकन ... पुस्तिका के अन्दर के अंक एवं कव्हर पृष्ठ पर दर्शाये अंक एक...

हस्ताक्षर (परीक्षक)

परीक्षक क्रमांक 9630-93

हस्ताक्षर (उपमुख्य परीक्षक)

दिनांक..........

हस्ताक्षर (मुख्य परीक्षक)

दिनांक..........

परीक्षार्थी के लिए निर्देश

1. परीक्षार्थी को अपना अनुक्रमांक / विषय / माध्यम / दिनांक एवं प्रश्न–पत्र का कोड (समूह) मुख पृष्ठ पर अंकित करना अनिवार्य है। अन्यत्र कहीं भी नहीं लिखा जाएगा।
2. अनुक्रमांक नीचे दिये गए उदाहरण अनुसार लिखा जाए :–

1	8	2	4	3	9	5	6	8
एक	आठ	दो	चार	तीन	नौ	पाँच	छः	आठ

3. उत्तर पुस्तिका के दोनों ओर पृष्ठों में लिखें। बीच में रिक्त स्थान न छोड़ें। भूल से छूटा / रिक्त स्थान तथा शेष खाली पृष्ठों को क्रास किया जाए।
4. परीक्षार्थी प्रश्न पत्र हल करते समय ही, कव्हर पृष्ठ पर दी गई तालिका में प्रश्न क्रमांक के सम्मुख वाले कालम में उत्तरपुस्तिका का वह पृष्ठ क्रमांक अनिवार्य रूप से अंकित करें जिस पर प्रश्न का उत्तर लिखा गया है। यदि पूरक उत्तरपुस्तिका का उपयोग किया गया हो, तो उस पर 25 से प्रारंभ करते हुए पृष्ठ क्रमांक परीक्षार्थी द्वारा स्वयं डाले जाएँ।

परीक्षक के लिए निर्देश

1. केवल उन्हीं उत्तरपुस्तिकाओं का मूल्यांकन करें जिन पर होलो क्राफ्ट स्टीकर चस्पा है।
2. उत्तरपुस्तिका का मूल्यांकन होलो क्राफ्ट स्टीकर को चस्पा स्थिति में यथावत् रखते हुए ही किया जाये।
3. बिना होलो क्राफ्ट स्टीकर वाली तथा फटे हुए होलो क्राफ्ट स्टीकर वाली सभी उत्तरपुस्तिकाऐं मूल्यांकन हेतु परीक्षा नियंत्रक, माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्यप्रदेश, भोपाल को व्यक्तिशः रूप से भेजी जाये।

मूल्यांकन केन्द्र के लिए निर्देश

1. **O.M.R. SHEET** पर प्राप्तांक की प्रविष्टि करने हेतु केवल वही उत्तरपुस्तिकाएँ प्राप्त करें, जिनका मूल्यांकन होलो क्राफ्ट स्टीकर को चस्पा स्थिति में यथावत् रखते हुए ही किया गया है। यदि होलो क्राफ्ट स्टीकर फटा हुआ पाया जाता है तो ऐसी उत्तरपुस्तिकाऐं मूल्यांकन केन्द्र अधिकारी को पृथक से सौपी जाएँ। ऐसे प्रकरणों के प्राप्तांकों की प्रविष्टि **O.M.R. SHEET** में नहीं की जाए। मूल्यांकन केन्द्र अधिकारी ऐसी उत्तरपुस्तिकाऐं पुनः मूल्यांकन के लिये परीक्षा नियंत्रक, माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्यप्रदेश, भोपाल को व्यक्तिशः रूप से सौपेंगे।
2. उत्तरपुस्तिका के मुख्य पृष्ठ में अंकों एवं शब्दों में अंकित प्राप्तांकों को मिलान कर **O.M.R. SHEET** में अंकों की सटीक प्रविष्टि करें।
3. **O.M.R. SHEET** पर प्रमाणीकरण कर हस्ताक्षर करें।

उत्तर - 1

रिक्त स्थान की पूर्ति-

(1) भारतीय संविधान के लागू होने की तिथी 26 जनवरी 1950 है।

(2) आजादी से पहले भारत मे साक्षरता सिर्फ 2.5 प्रतिशत थी।

(3) गुट निरपेक्ष राष्ट्रों का दसवाँ शिखर सम्मेलन इण्डोनेशीया की राजधानी जकार्ता मे सम्पन्न हुआ।

(4) अन्तर्राष्ट्रीय न्यायालय मे चौदह न्यायाधीश होते हैं।

(5) आर्थिक उदारीकरण का उद्देश्य रोजगार के अवसरो मे वृद्धि करना है।

उत्तर → 2

सही विकल्प ⇒

1. संविधान निर्माण में कुल कितना समय लगा?

उत्तर ⇒ 2 वर्ष 11 माह 18 दिन

2. अन्य पिछड़े वर्गों के सेवाओं मे कितने प्रतिशत स्थान आरक्षित है?

उत्तर ⇒ 27%

3. अफ्रीका कोष की स्थापना का निर्णय किस सम्मेलन में लिया गया था?

उत्तर ⇒ आठवें

4. संयुक्त राष्ट्र के ध्वज की पृष्ठभूमि किस रंग की है?

उत्तर ⇒ नीली

5. भारतीय अर्थव्यवस्था के कुल निवेश में विदेशी पूंजी का हिस्सा है-

उत्तर ⇒ 11%

B
S
M
P

अंकों का योग

प्राप्तांक पृष्ठ के अंक कुल अंक

B S E M

उत्तर ⇒ 3

सत्य / असत्य

1. सन् 1961 मे नागालैण्ड के रूप में नए राज्य की स्थापना की गई।

उत्तर ⇒ सत्य

2. भारतीय संविधान में राज्य के नीति-निर्देशक तत्व आयरलैण्ड के संविधान से लिए गए हैं?

उत्तर ⇒ सत्य

3. अन्तर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष की स्थापना 1948 में हुई।

उत्तर ⇒ असत्य

4. भारत 30 अक्टूबर 1945 को संयुक्त राष्ट्र का सदस्य बना?

उत्तर ⇒ सत्य

5. वैश्वीकरण आर्थिक समानता को जन्म देता है।

उत्तर ⇒ असत्य

पृष्ठ के अंक योग

उत्तर → 4

सही जोड़ी

अ	सही उत्तर
1. प्रथम पंचवर्षीय योजना	1951 से 1956
2. क्षेत्रीय असन्तुलन का कारण	आर्थिक स्थिति
3. अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस	8 मार्च
4. आसियान संगठन का मुख्यालय	जकार्ता
5. संयुक्त राष्ट्र संघ की स्थापना	24 अक्टूबर 1945

BSEMP

5

उत्तर ⇒ 5

एक वाक्य में उत्तर ⇒

1. भारतीय संविधान में कुल कितने अनुच्छेद हैं?

उत्तर ⇒ 395 अनुच्छेद

2. भारत-चीन कब हुआ था?

उत्तर ⇒ सन् 1962

3. भारत द्वारा शान्ति सेना किस देश में भेजी गई?

उत्तर ⇒ श्रीलंका

4. संयुक्त राष्ट्र के संविधान को क्या कहते हैं?

उत्तर ⇒ चार्टर

5. भारत में वैश्वीकरण का क्या उद्देश्य है?

उत्तर ⇒ देश की अर्थव्यवस्था को विश्व की अर्थव्यवस्था से एकीकृत करना।

B S E M P

पृष्ठ के अंकों का योग

पूर्णांक

उत्तर → 4 (अ)

गुटनिरपेक्षता का अर्थ

गुटनिरपेक्ष शब्द का सर्वप्रथम प्रयोग करने और इसे लोकप्रिय बनाने का श्रेय जॉर्ज लिस्का को जाता है। इसके बाद गुटनिरपेक्ष शब्द का प्रयोग किसी भी सैनिक सन्धि व किसी भी गुट के संगठन में न सम्मीलित होने की नीति के रूप में किया जाने लगा।
RANDOM House of Dictonary में इसे परिभाषित करते हुए कहा गया है "किसी भी गुट में शामिल न होना"

गुटनिरपेक्षता की परिभाषा

गुटनिरपेक्ष आन्दोलन के जन्मदाता व सूत्रधार पं. जवाहर लाल नेहरु ने इसे परिभाषित करते हुए लिखा है कि गुटनिरपेक्षता का आशय है "किसी भी सैनिक गुट या संगठन में सम्मीलित न होकर स्वतन्त्र होकर अपनी विदेश नीति का निर्माण करना है। इसका आशय यह है कि किसी भी चीज को सैनिक दृष्टि से न देखना, बल्कि हमारा दृष्टिकोण स्वतन्त्र होना चाहिए और सभी राष्ट्रों के साथ मैत्रीपूर्ण व्यवहार करना चाहिए।

BSEMP

पृष्ठ के अंकों का योग

गुट निरपेक्ष आन्दोलन की उपलब्धीयाँ

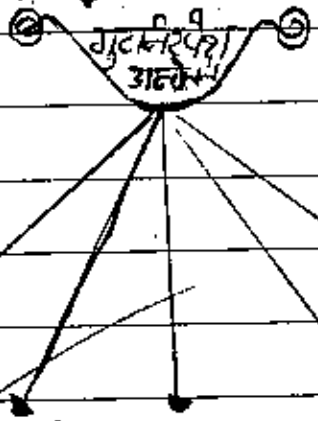

एच. ई. हैरिस के अनु. "गुटनिरपेक्षता किसी भी गुट में या सैनिक सान्धीयों में सम्मीलित न होने की नीति है।

श्री गॉडफ्रायड जेनसन ने अपनी पुस्तक Afro-Asia and non Alignment पर इसे परिभाषित करते हुए लिखा है कि गुटनिरपेक्षता का आशय है शीतयुद्ध में उत्पन्न महाशक्तियों के गुट में या सैनिक सान्धीयों से दूर रहकर विश्व शान्ती व सुरक्षा में योगदान देना है। यह शक्ति की राजनीति से दूर रहने व नि: शस्त्रीकरण पर बल देता है।

अपने जीवन के 100 वर्ष में भी गुटनिरपेक्ष आन्दोलन की महत्ता व लोकप्रियता कम नहीं हुई है और इसका अनुमान

BSEMP

पृष्ठ के अंकों का योग

इसकी निरन्तर बढ़ती सदस्य संख्या से लगाया जा सकता है। अपनी स्थापना के समय इसके पास केवल 11 सदस्य थे पर अब इसकी सदस्य संख्या बढ़कर 163 हो गई है। गुटनिरपेक्ष आन्दोलन की प्रमुख उपलब्धियाँ अग्रलिखित है।

उपलब्धियाँ ⇒

1. **विश्व शान्ती की स्थापना ⇒** गुटनिरपेक्ष आन्दोलन की सबसे बड़ी उपलब्धि विश्व शान्ती की स्थापना है। शीत युद्ध से उत्पन्न अशान्ति को गुटनिरपेक्ष आन्दोलन के माध्यम से कम करने का प्रयास किया गया और इस प्रयास में गुटनिरपेक्ष आन्दोलन सफल भी रहा।

2. **महाशक्तियों के मध्य तनाव में कमी ⇒** गुटनिरपेक्ष आन्दोलन के समर्थक गुटनिरपेक्ष राष्ट्रों ने महाशक्तियों के मध्य सेतु बनकर उनके बीच के तनाव व सन्देह को दूर करने का प्रयास किया जिसके कारण अन्तर्राष्ट्रीय तनाव में कमी आई।

3. **नि:शस्त्रीकरण ⇒** गुटनिरपेक्ष आन्दोलन के माध्यम से नि:शस्त्रीकरण को बढ़ावा मिला।

B S E M P

पृष्ठ के अंकों का योग

4. रंगभेदवाद का विरोध ⇒ गुटनिरपेक्ष आन्दोलन ने सदैव से ही रंगभेदवाद का विरोध किया है और रंगभेदवाद रहित विश्व के निर्माण में सहायक हुआ है।

5. संयुक्त राष्ट्र की संरचना में परिवर्तन ⇒ गुटनिरपेक्ष राष्ट्रों की बढ़ती हुई संख्या ने संयुक्त राष्ट्र की संरचना में परिवर्तन करना भी बड़ी उपलब्धि है।

6. निःशस्त्रीकरण को बढ़ावा ⇒ गुटनिरपेक्ष राष्ट्रों ने महाशक्तियों व अन्य राष्ट्रों को निःशस्त्रीकरण अपनाने के लिए प्रेरित किया।

7. साम्राज्यवाद व उपनिवेशवाद का विरोध ⇒ गुटनिरपेक्ष आन्दोलन ने साम्राज्यवाद व उपनिवेशवाद राष्ट्रों का विरोध करते हुए समानता पर आधारित विश्व स्थापना पर बल दिया है।

8. विकासशील राष्ट्रों का विकास ⇒ गुटनिरपेक्ष आन्दोलन की सबसे बड़ी उपलब्धि यह है कि इसने विकासशील राष्ट्रों के विकास व प्रगति में बढ़ोत्तरी की है। गुटनिरपेक्ष आन्दोलन ने विश्व को यह एहसास दिलाया कि यदि तृतीय विश्व का शोषण जारी रहा और उन्हें शक्ति व सम्प्रभुता से दूर रखा गया तो अन्य राष्ट्रों का भी विकास रुक जाएगा।

BSEMP

BSEMP

उत्तर ⇒ 20 (ब)

भारतीय संविधान के स्रोत

" ब्रिटिश सरकार द्वारा जारी गए श्वेत पत्र के विरोध में संविधान सभा द्वारा निर्मित संविधान है। जहाँ तक सम्भव हो इसका गठन सार्वभौमिक वयस्क मताधिकार के आधार पर होना चाहिए व अल्पसंख्यकों को यह शक्ति दी जानी चाहिए कि वह स्वयं अपने प्रतिनिधि निर्वाचित कर सके "
→ कांग्रेस प्रस्ताव समिति

भारतीय संविधान के स्रोत

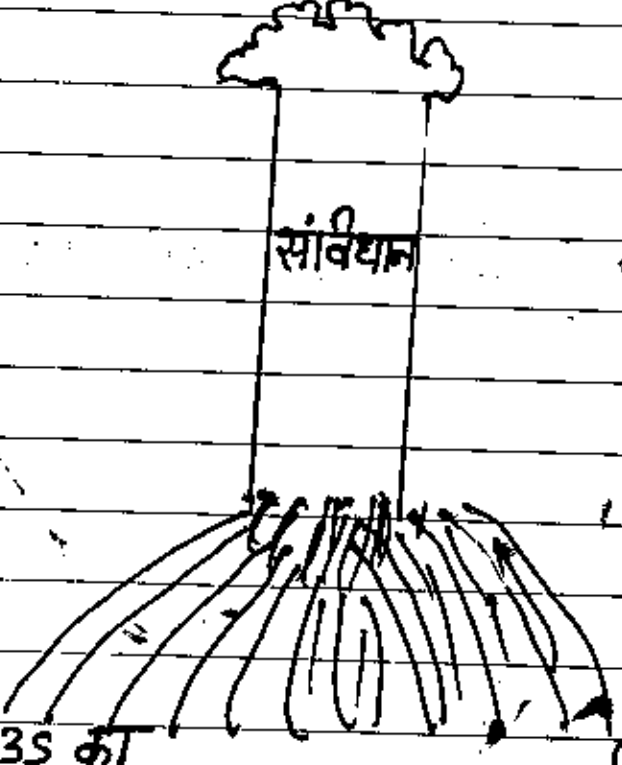

(1) सन् 1935 का भारत शासन अधिनियम

(2) अन्य देशों का संविधान

भारतीय संविधान विश्व का अनोखा संविधान है, इस अर्थ मे नही कि विश्व के सबसे बड़े लोकतन्त्र का संविधान है बल्कि इस अर्थ मे कि भारतीय संविधान विश्व के विभिन्न देशो के संविधान से लिए गए अंशो से बना है।

भारतीय संविधान के स्त्रोत

1. सन् 1935 का भारत शासन अधिनियम

श्री निवासन ने लिखा है कि "भाषा और सामग्री दोनो दृष्टि से भारतीय संविधान सन् 1935 के अधिनियम से काफी मिलता जुलता है सन् 1935 के अधिनियम से निम्न अंश लिए गए है -

1. भारतीय संविधान के अनु 352 जो राज्यो व केन्द्रो के बीच हुए मतभेद से सम्बन्धित विषयक व्यवस्थाओ पर आधारित है, सन् 1935 के अधि. 107 का हूबहू रूपान्तर है।
2. अनु 352 जो राज्यो को अपनी कार्यपालिकीय शक्ति संघीय व्यवस्था के अनुरूप करने को निर्दिष्ट करता है। सन् 1935 के अधि. की धारा 103 से लिया गया है।
3. संविधान के अनु 356 जो आपातकालिन उपबन्धो से सम्बन्धित है सन् 1935 के अधि. की धारा 127 से लिया गया है

BSEMP

4. सरकार द्वारा कुछ राज्यो मे द्विसदनात्मक व्यवस्था भी सन 1935 के अधिनियम से ली गई है।

5. राज्यो मे राज्यपाल की व्यवस्था भी सन 1935 के अधि. की व्यवस्था से ली गई है।

6. 1935 के अधि मे भी गवर्नर जनरल को आपातकालीन शक्तियाँ दी गई थी उसी प्रकार संविधान मे राष्ट्रपति को आपातकालीन शक्तियाँ दी गई है।

7. संविधान की तीन सूचियाँ समवर्ती सूची अनुसूची व राज्य सूची की व्यवस्था भी 1935 के अधिनियम से ली गई है।

अन्य देशो का संविधान → भारतीय संविधान विभिन्न देशो की व्यवस्था को शामिल किया गया है। संविधान सभा के सलाहकार श्री बी.एन राऊ ने विभिन्न देशो की यात्राएँ की तथा वहाँ की शासन व्यवस्था को संविधान मे समाहित किया।

1. ब्रिटिश संविधान → विधि का शासन, विधिनिर्माण एकल नागरिकता, स्पीकर का पद

2 अमरीका संविधान → प्रस्तावना मे वर्णित आदर्श, मौलिक अधिकार कर्तव्य व न्यायिक पुनरावलोकन

BSEMP

पृष्ठ के अंकों का योग

3. आयरलैण्ड का संविधान ⇒ नीति निर्देशक तत्व, राज्यसभा के सदस्यों का मनोनयन व राष्ट्रपति का निर्वाचक मण्डल
4. वीमर गणराज्य (जर्मनी) का संविधान ⇒ आपात आपात कालीन व्यवस्था।
5 कनाडा का संविधान ⇒ राज्य व संघ के बीच शक्तियों का वितरण।
6 आस्ट्रेलिया का संविधान ⇒ राज्यों को कुछ अधिकार देना, द्विसदनात्मक व्यवस्था।

उपर्युक्त स्रोतो से स्पष्ट है कि भारतीय संविधान की विषयवस्तु अन्य देशों के संविधान से गृहित है। इसलिए यह कहा जाता है कि भारतीय संविधान "उधार का थैला" है।

BSEMP

B S E M P

उत्तर => 19 (अ)

निः शस्त्रीकरण का अर्थ =>

निः शस्त्रीकरण का अर्थ है कि किसी भी देश द्वारा अस्त्र शस्त्रों के प्रयोग व उत्पादन पर प्रतिबन्ध लगाना। इसका अर्थ है कि शक्ति की राजनीति से दूर रहना। निः शस्त्रीकरण का सामान्य अर्थ है कि शस्त्र अस्त्रों से होने हानिकारक प्रभाव व विनाश से दूर रहने की नीति का पालन करना है। एच.ई. हैरिस के अनु., निःशस्त्रीकरण अस्त्र शस्त्रों को नहीं अपनाकर विश्व शान्ति से दूर रहना। वी.वी. जायव के अनु., निः शस्त्रीकरण का अर्थ है कि विश्व को तृतीय विश्व युद्ध से बचाना व शान्ति स्थापित करना।

निः शस्त्रीकरण के प्रकार

- साधारण निःशस्त्रीकरण
- समग्र निःशस्त्रीकरण
- परमाणु निःशस्त्रीकरण
- परम्परागत निःशस्त्रीकरण
- अनिवार्य निःशस्त्रीकरण

पृष्ठ के अंकों का योग

नि: शस्त्रीकरण के प्रकार ⇒

1. साधारण नि: शस्त्रीकरण ⇒ इस निःशस्त्रीकरण को सभी राष्ट्रों द्वारा व कुछ महाशक्तियों द्वारा अपनाया जाता है।

2. समग्र नि: शस्त्रीकरण ⇒ इस नि:शस्त्रीकरण में सभी प्रकार के अस्त्र शस्त्रों के निर्माण व प्रयोग पर प्रतिबन्ध लगाया जाता है।

3. परिमाणात्मक नि: शस्त्रीकरण ⇒ इसमें कुछ विशेष प्रकार के अस्त्र शस्त्रों पर प्रतिबन्ध लगाया जाता है।

4. अनिवार्य नि: शस्त्रीकरण ⇒ यह नि:शस्त्रीकरण सभी राष्ट्रों द्वारा अनिवार्य रूप से अपनाया जाता है। इसमें कुछ विशेष हथियारों पर रोक लगाई जाती है।

5. आण्विक नि: शस्त्रीकरण ⇒ परमाणु व आण्विक अस्त्र शस्त्रों पर प्रतिबन्ध आण्विक नि: शस्त्रीकरण द्वारा लगाया जाता है।

6. परम्परागत नि: शस्त्रीकरण ⇒ इस नि:शस्त्रीकरण में परम्परागत अस्त्र शस्त्रों के प्रयोग पर प्रतिबन्ध लगाया जाता है।

BSEMP

पृष्ठ के अंक

उत्तर =18 (ब)

भारत पाकिस्तान सम्बन्धो से जुडे मुद्दो का परीक्षण

भारत - पाकिस्तान के मुख्य तनाव की शुरुआत सन 1947 के भारत विभाजन के पश्चात हुई। इस विभाजन ने भारतीय उपमहाद्वीप को दो भागो मे बॉट दिया - भारत व पाकिस्तान तब से लेकर अब तक इनके सम्बन्धो मे खटास भरी हुई है। समय-2 पर विभिन्न राजनीतिक प्रयासो द्वारा इन दोनो देशो के मध्य मित्रता व सहयोग लाने के प्रयास किए जा रहे है। पर हर बार कुछ न कुछ ऐसी घटना घट जाती है कि इनके बीच तनाव पैदा हो जाता है। भारत पाकिस्तान से जुडे मुद्दे नि:लि है -

1. भारत विभाजन → जब भारत विभाजन हुआ तब सरहदो की तरह इन दोनो देशो के दिलो मे भी एक दूसरे के प्रति लकीरे खिचगई। भारत विभाजन के पश्चात पाकिस्तान ने तीन बार भारत आक्रमण किया जिसमे

BSEMP

पृष्ठ के अंको का योग

इनके सम्बन्धों मे और खटास आ गई।
पाकिस्तान की हठधर्मिता भारत और पाकिस्तान के मध्य मधुरता लाने मे सबसे बड़ी बाधक है।

2. कश्मीर समस्या => कश्मीर को लेकर भी भारत और पाकिस्तान के मध्य तनाव पैदा हो गया है। कश्मीर को भारत मे विलय संवैधानिक तरीके से किया गया है पर पाकिस्तान उसे असंवैधानिक बताता है। पाकिस्तान चाहता है कि पूरा कश्मीर उसके नियन्त्रण मे आ जाए और इस उद्देश्य की प्राप्ति हेतु वह समय-समय पर अनेक आतंकवादी गतिविधियो को कश्मीर मे बढ़ावा देकर भारत और अपने विवाद को और गहरा कर रहा है।

3. आतंकवाद की समस्या => भारत व विश्व की आज सबसे बड़ी समस्या आतंकवाद है। जिसे रोकने के लिए सभी देश प्रयत्नशील है। जब पाकिस्तान युद्ध द्वारा भारत को नहीं हरा सका तब उसने आतंकवाद का सहारा लिया। पाकिस्तान द्वारा संचालित अनेक आतंकवादी घटनाएं भारत मे अंजाम की जाती रही है आतंकवादी हमलो के द्वारा पाकिस्तान भारत को कमजोर करके उसे हराना चाहता है।

उत्तर क्रमांक (ब)

अन्तर्राष्ट्रीय सम्बन्धो पर तनाव शैथिल्य का प्रभाव ⇒

1. **विश्व शान्ति की स्थापना ⇒** तनाव शैथिल्य के माध्यम से विश्व में शान्ति की स्थापना हुई है। तनाव शैथिल्य ने तनाव को कम करके विश्व शान्ति में अपना योगदान दिया है।

2. **निःशस्त्रीकरण को बढ़ावा ⇒** तनाव शैथिल्य के माध्यम से निःशस्त्रीकरण को बढ़ावा मिला है। इसके परिणामस्वरूप सभी राष्ट्रों द्वारा निःशस्त्रीकरण को अपनाया गया है।

3. **महाशक्तियों के मध्य तनाव में कमी ⇒** तनाव शैथिल्य के माध्यम द्वारा महाशक्तियों के मध्य उत्पन्न हुए तनाव में कमी आई है।

4. **सहयोग की भावना ⇒** तनाव शैथिल्य के माध्यम से विश्व के विभिन्न राष्ट्रों के मध्य सहयोग की भावना का विकास हुआ है।

B S E M P

पृष्ठ के अंकों का योग

(5) अन्तर्राष्ट्रीय सुरक्षा ⇒ तनाव शैथिल्य ने अन्तर्राष्ट्रीय सुरक्षा में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इसने परमाणु विस्फोट व युद्ध को शिथिल करके विश्व को सुरक्षा प्रदान की है।

उत्तर ⇒ 15 (अ)

आर्थिक असमानता को दूर करने के उपाय

आर्थिक असमानता को दूर करने के लिए एक निश्चित व ठोस कदम उठाने होंगे ताकि इसे जड़ से समाप्त कर दिया जाए।

1. **सम्पूर्ण आर्थिक विकास ⇒** आर्थिक असमानता को दूर करने का सबसे पहला उपाय यह है कि सम्पूर्ण आर्थिक विकास करना। सम्पूर्ण आर्थिक विकास होने पर लोगों के मध्य विद्यमान आर्थिक असमानता को दूर किया जा सकता है।

2. **सरकारी योजनाएं ⇒** विभिन्न सरकारी योजनाओं के माध्यम से भी आर्थिक असमानता को दूर करने का प्रयास किया जाना चाहिए तभी इसका निवारण होगा।

BSEMP

पृष्ठ के अंकों का योग

(3) सरकारी नीतियाँ ⇒ सरकारि नीति ऐसी बननी चाहिए जिससे सम्पूर्ण आर्थिक विकास हो और सभी लोगो को लाभ पहुँचे तभी आर्थिक असमानता मिटेगी।

(4) आय मे वृद्धि ⇒ सरकारि नीतियों के फलस्वरूप प्रतिव्यक्ति आय मे वृद्धि करने का प्रयास करना चाहिए जिससे लोगों का जीवन स्तर ऊपर उठेगा व आर्थिक असमानता दूर होगी।

(5) गरीबी को दूर करना ⇒ सरकार को अपनी योजनाओ के माध्यम से गरीबी को दूर करना चाहिए तभी आर्थिक विकास सम्भव हो पा।

(6) आर्थिक उदारीकरण ⇒ आर्थिक उदारीकरण के फलस्वरूप उद्योगों की स्थापना व रोजगार मे वृद्धि होती है जिसके फलस्वरूप आर्थिक असमानता दूर होती है।

BSEMP

5

पृष्ठ के अंकों का योग

उत्तर :- 15 (ब)

मध्यप्रदेश पिछड़ा वर्ग आयोग के कार्य :-

मध्य प्रदेश पिछड़ा वर्ग आयोग के प्रमुख कार्य निम्नलिखित है –

1. पिछड़े वर्ग के लोगों के लिए किए जाने वाले कार्य व योजनाओं का निर्माण व निरीक्षण करना।
2. पिछड़ा वर्ग के लोगों के हितों के लिए कार्य करना।
3. पिछड़ा वर्ग के लोगों की समस्याओं का समाधान करना।
4. पिछड़ा वर्ग के लोगों का जीवनस्तर ऊँचा उठाने का प्रयास करना।
5. पिछड़ा वर्ग के लोगों के साथ किए भेदभाव के विरुद्ध अपील करना।

5

B S E M P

5
पृष्ठ के अंकों का योग

उत्तर ⇒ 13 (अ)

कश्मीर समस्या का उद्भव

ब्रिटिश सरकार ने देशी रियासतों को सम्बोधित करते हुए कहा कि भारत के स्वतन्त्र होने पर वे अपनी इच्छानुसार किसी भी देश भारत या पाकिस्तान में सम्मिलित हो सकते हैं या स्वतन्त्र रह सकते हैं। कश्मीर के राजा हरिसिंह ने स्वतंत्र रहने का निर्णय लिया और स्वतन्त्रता मिलने के तीन दिन पहले 12 अगस्त को भारत और पाकिस्तान के साथ यथास्थिति समझौता किया जिसका अर्थ होता है स्वतन्त्रता के पहले की स्थिति बनी रहना। पर पाकिस्तान द्वारा कश्मीर पर आक्रमण करने पर महाराजा हरिसिंह ने कश्मीर को भारत में मिलाने का निर्णय लिया और विलय के समझौते पर हस्ताक्षर किए। इस रूप अक्टूबर सन 1947 को कश्मीर का भारत में वैधानिक विलय हुआ। पर पाकिस्तान इस विलय को असंवैधानिक मानता है और भारत पर आक्रमण करता रहा है तब से लेकर अब भारत और पाकिस्तान के मध्य कश्मीर समस्या प्रभाव है।

2009 माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्यप्रदेश, भोपाल

पूरक उ.पु. 4 पृष्ठ

परीक्षक के लिये

स्टीकर तीर के निशान से मिलाकर लगायें

1. केन्द्र की सील

2. पर्यवेक्षक के हस्ताक्षर व दिनांक

3. केन्द्राध्यक्ष के हस्ताक्षर की सील

4. केन्द्र क्रमांक 711002

6. परीक्षा का नाम हायर सेकेण्डरी परीक्षा

7. विषय

8. माध्यम

8. दिनांक

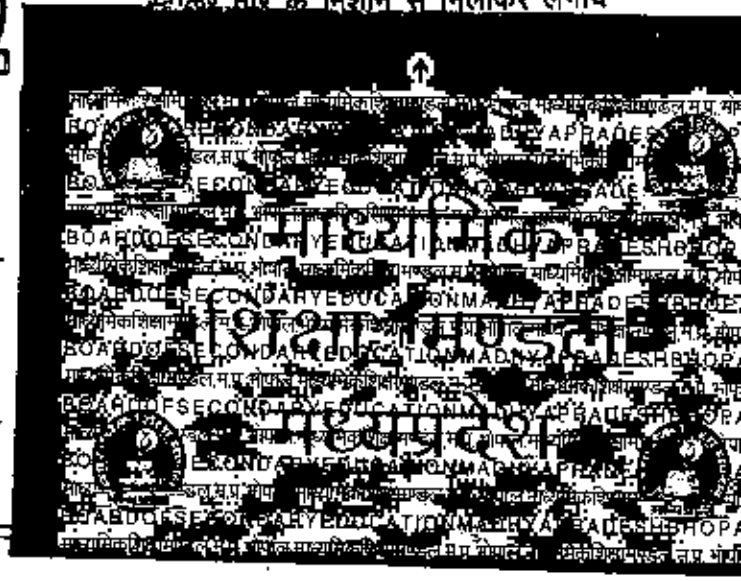

पृष्ठ

B S E M J

पृष्ठ के अंकों का योग

उत्तर => 13 (क)

समस्या के समाधान की दिशा में संयुक्त राष्ट्र द्वारा किए गए उपाय =>

संयुक्त राष्ट्र द्वारा समस्या के समाधान हेतु : भारत और पाकिस्तान पर आधारित संयुक्त [illegible] राष्ट्र आयोग का गठन किया गया। आयोग ने समस्या की जड़ तक पहुँचने के लिए जुलाई 1948 में भारत पाक की भी सभी बातों की जाँच करने के पश्चात उसने दोनों के पक्ष युद्ध विराम समझौते का प्रस्ताव रखा।

भारत ने इसे स्विकार कर लिया पर पाकिस्तान ने इस नीति को मानने से इन्कार कर दिया और उनके लिए कुछ शर्तें रखीं पर भी आयोग ने नए नहीं कि पाकिस्तान

बात करनी प्रारम्भ की और पाकिस्तान द्वारे युद्धविराम को भी स्वीकार कर लिया। अन्ततः दोनों के बीच जनवरी 1949 को युद्ध विराम समझौता हुआ।

संयुक्त राष्ट्र द्वारा सदैव ही पर कश्मीर समस्या के समाधान हेतु अनेक प्रयास किए गए पर इन प्रयासों का कोई लाभ नहीं पहुँचा। कश्मीर समस्या अब भी विद्यमान है।

उत्तर 12 (ब)

आर्थिक उदारीकरण के उद्देश्य

1. व्यवसाय को सरकारी दबाव से मुक्त करना:-

आर्थिक उदारीकरण के माध्यम से व्यवसाय को सरकारी दबाव से मुक्त करने का प्रयास किया जाता है ताकि व्यवसाय का विकास किया जा सके।

2 उत्पादकता का विकास करना:- आर्थिक उदारीकरण का उद्देश्य उत्पादकता को बढ़ावा देना व इसका विकास करना होता है ताकि देश का आर्थिक विकास हो सके।

B S E M P

के अंकों का योग

BSEMP

3. रोजगार के अवसरों में वृद्धि ⇒ आर्थिक उदारीकरण का उद्देश्य रोजगार के अवसरों में वृद्धि करना है ताकि आर्थिक समानता की स्थापना की जा सके।

4. वस्तुओं की गुणवत्ता का विकास ⇒

आर्थिक उदारीकरण का उद्देश्य वस्तुओं की गुणवत्ता में सुधार करके उसे अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर लाने का प्रयास करना है।

उत्तर ⇒ 10 (अ)

गुट निरपेक्षता का अर्थ ⇒ गुटनिरपेक्ष शब्द का सर्वप्रथम प्रयोग व इसका विकास करने का श्रेय लिस्का को जाता है। तब से लेकर अब तक इसका अर्थ है किसी भी सैनिक सन्धियों या गठबन्धन में शामिल न होकर स्वतन्त्र रहना।

गुटनिरपेक्षता के जनक व प्रणेता पं. जवाहर लाल नेहरू के अनुसार गुटनिरपेक्षता का आशय है किसी भी सैनिक सन्धि व महाशक्तियों के गठबन्धन से दूर रहकर

स्वतन्त्र विदेश नीति का क्रियान्वयन करना। इसका अर्थ है कि कि किसी भी वस्तु को सीमित दृष्टि से नही देखना बल्कि हमारा दृष्टिकोण स्वतन्त्र होना चाहिए व सभी देशों के साथ मैत्रीपूर्ण व्यवहार करना चाहिए।

भारत द्वारा गुटनिरपेक्षता की नीति अपनाने का कारण

1. विश्व शान्ति की स्थापना ⇒ भारत किसी भी गुट में शामिल न होकर विश्व शान्ति की स्थापना में महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वाह करना चाहता था इसलिए उसने गुटनिरपेक्षता की नीति अपनाई।

2 दोनो गुटो से आर्थिक सहायता ⇒ भारत पूंजीवादी व साम्यवादी दोनों गुटो से आर्थिक सहायता प्राप्त करना चाहता था इसलिए उसने गुटनिरपेक्षता को अपनाया।

3 निर्णय की स्वतन्त्रता को बनाए रखना ⇒ भारत अपनी निर्णय की स्वतन्त्रता को बनाए रखना चाहता था इसलिए उसने गुटनिरपेक्षता की नीति अपनाई। वह स्वतन्त्र रहकर नीति का निर्माण करना चाहता

4 राष्ट्रीय हित ⇒ भारत ने गुटनिरपेक्षता की नीति अपनाई क्योंकि वह उसके राष्ट्रीय हितो के अनुकूल थी

पूरक उ.पु. 4 पृष्ठ

माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्यप्रदेश, भोपाल

परीक्षक के लिये

1. केन्द्र की सील
2. पर्यवेक्षक के हस्ताक्षर व दिनांक 23-3-09
3. केन्द्राध्यक्ष के हस्ताक्षर की सील
4. केन्द्र क्रमांक 711002
6. परीक्षा का नाम
7. विषय 8. माध्यम
8. दिनांक

पृष्ठ

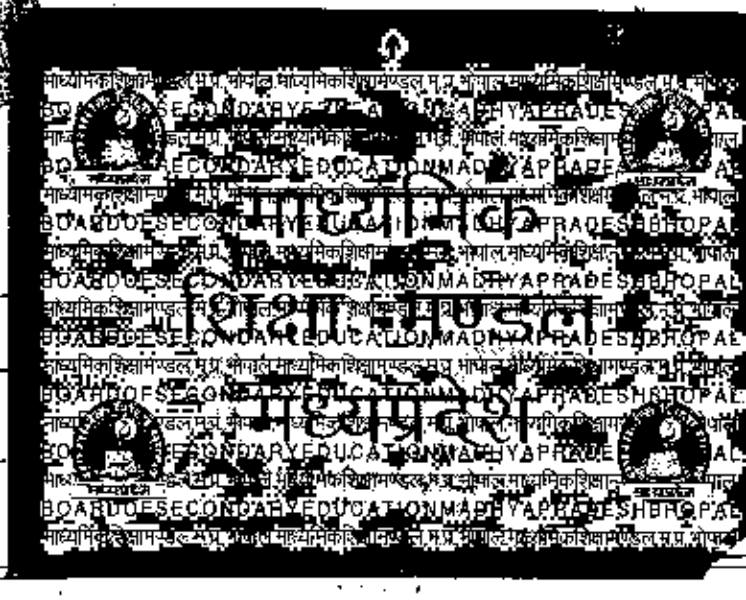

B S E M P

पृष्ठ के

उत्तर => १(ब)

सहकारी संगठन के प्रकार =>

1. औद्योगिक सहकारी समितियाँ => यह समितियाँ औद्योगिक क्षेत्र में मजदूरों, कर्मियों व उद्योगपतियों को विभिन्न प्रकार की सहायता प्रदान करती हैं। ताकि उनका विकास अच्छा हो सके।

2. संग्रहण, वितरण व विपणन सहकारी समितियाँ =>

ये समितियाँ कृषि पदार्थों का संग्रहण करती हैं फिर उनको विभिन्न क्षेत्रों में वितरण करके किसानों को लाभ पहुँचाती हैं। खाद्य पदार्थों का विपणन करके ये समितियाँ भविष्य में खाद्य पदार्थों की प्राप्ति करने के लिए तैयार होती हैं। ये समितियाँ किसानों को ऋण भी देती हैं।

2

पृष्ठ 2 के अंक   कुल अंक

मध्यप्रदेश

3. विशिष्ट उद्देश्य वाली समितियाँ ⇒ इन समितियों के विशिष्ट उद्देश्य होते हैं जैसे उत्पादन क्षमता का विकास करना, उद्योगों का विकास करना।

4. साख समितियाँ ⇒ ये समितियाँ दो प्रकार की होती हैं

(1) ग्रामीण साख समिति ⇒ ये समितियाँ ग्रामीण क्षेत्रों में किसानों को दीर्घकालीन व अल्पकालीन ऋण देकर उनकी स्थिति में सुधार करती हैं

2 शहरी साख समिति ⇒ ये समितियाँ शहरी क्षेत्रों में उद्योगों का विकास करती हैं

5 उपभोक्ता सहकारी समितियाँ ⇒ उपभोक्ता समितियाँ लोगों के आर्थिक विकास के लिए बनाई जाती हैं इनका प्रमुख उद्देश्य उपभोक्ताओं का विकास करना व उनके हितों की रक्षा करना होता है।

(3)

योग पूर्व पृष्ठ

उत्तर – 18 (ब)

क्षेत्रीय असन्तुलन को रोकने के उपाय

1. सन्तुलित क्षेत्रीय विकास – सन्तुलित क्षेत्रीय विकास द्वारा क्षेत्रीय असन्तुलन को दूर किया जा सकता है।

2. सरकारी नीति – विभिन्न सरकारी नीतियों द्वारा क्षेत्रों का सन्तुलित विकास क्षेत्र को सन्तुलित स्थिति में लाया जा सकता है व क्षेत्रीय असन्तुलन दूर किया जा सकता है।

3. उद्योगों का विकास – विभिन्न क्षेत्रों में उद्योगों का विकास करके क्षेत्रीय असन्तुलन को दूर किया जा सकता है।

4. आधारभूत सुविधाओं का विकास – विभिन्न क्षेत्रों में आधारभूत सुविधाएँ पहुँचाकर क्षेत्रीय असन्तुलन को दूर किया जा सकता है।

B S F N I

पृष्ठ के

योग पूर्व पृष्ठ | पृष्ठ 4 के अंक | कुल अंक

मध्यप्रदेश

उत्तर → 7

राष्ट्रीय विकास परिषद् के मुख्य कार्य →

1. योजना आयोग द्वारा निर्मित योजनाओं पर विचार विमर्श करना व उसे क्रियान्वित करना।
2. योजना योजनाओं के सम्बन्ध दिशा निर्देश जारी करना
3. राष्ट्रीय विकास को प्रभावित करने वाली आर्थिक व सामाजिक नीतियों को क्रियान्वित करना।
4. राष्ट्रीय विकास के सम्बन्ध में राज्य व योजना आयोग के मध्य समन्वय स्थापित करना।
5. योजना आयोग की क्रियाओं पर ध्यान केन्द्रित करना

BSIMP

पृष्ठ के अंक योग

Examination\Ans081.pm5

2009 2009

पूरक उ.पु. 4 पृष्ठ

माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्यप्रदेश, भोपाल

परीक्षक के लिये

1. केन्द्र की सील
2. पर्यवेक्षक के हस्ताक्षर व दिनांक
3. केन्द्राध्यक्ष के हस्ताक्षर की सील
4. केन्द्र क्रमांक 711002 हायर सेकेण्डरी
6. परीक्षा का नाम हायर सेकेण्डरी परीक्षा
7. विषय ________ 8. माध्यम ________
8. दिनांक ________

पृष्ठ

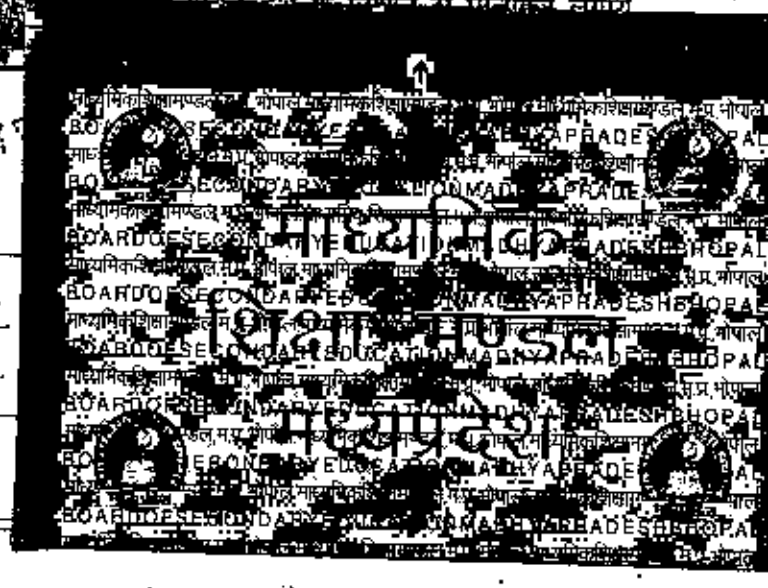

BSEMP

पृष्ठ के अंकों का योग

उत्तर 6 (अ)

भारत विभाजन के कारण => भारत विभाजन के कारण नि.लि. है।

1. मुस्लिमो की साम्प्रदायिक भावना => मुस्लिमो की साम्प्रदायिक भावना के कारण भारत विभाजन हुआ। क्योंकि मुस्लिम राष्ट्र को [illegible] चाहते थे।

2. अंग्रेजो द्वारा मुस्लिम साम्प्रदायिकता को बढ़ावा देना => अंग्रेजो द्वारा साम्प्रदायिकता को बढ़ावा दिया जाना ही भारत विभाजन का मूल कारण था। अंग्रेजो ने फूट डालो और शासन करो की नीति के द्वारा लोगो मे विभाजन कराया =>

3 मुस्लिम लीग के प्रति कांग्रेस की तुष्टिकरण की नीति => मुस्लिम लीग के सिद्धान्तो के प्रति कांग्रेस की तुष्टिकरण की नीति भी भारत विभाजन का प्रमुख कारण थी। इसन

1904 में हुए लाहौर अधिवेशन में हम जानना को और बल मिला परिणामस्वरूप जाति विकास हुआ।

(5) मुस्लिम लीग के सदस्यों को शासक सरकार में सहायता दिया जाना। ⇒

मुस्लिम लीग के सदस्यों को सरकार में स्थान दिए जाने के कारण जाति विकास हुआ क्योंकि इससे मुस्लिम लीग के सदस्यों का मनोबल काफी बढ़ गया था।

उत्तर ⇒ 16 (अ)

पर्यावरण का अर्थ ⇒ पर्यावरण दो शब्दों से मिलकर बना है परि + आवरण। जिसका अर्थ है वह आवरण जो हमारे चारों ओर विद्यमान है। पर्यावरण द्वारा हमें प्रभावित किया जाता है। पर्यावरण पृथ्वी का वह आवरण है जिसमें वायुमण्डल, जीवजन्तु, पेड़ पौधे व मनुष्य रहते हैं। पर्यावरण मानव जीवन का सबसे महत्वपूर्ण अंग है।

पर्यावरण के प्रकार

1. भौतिक पर्यावरण 2. सांस्कृतिक पर्यावरण

BSEMP

(3)

कुल अंक

पर्यावरण प्रदूषण के कारण →

1. परिवहन साधनों के कारण → परिवहन के साधनों द्वारा उत्पन्न विषैली गैसों के कारण वायुप्रदूषण होता है। व विषैली गैसों से लोगों को विभिन्न बिमारियां होती हैं।

2. औद्योगिक समूहों द्वारा → औद्योगिक समूहों से निकलने वाली गैसों व जल के कारण जल व वायु प्रदूषण होता है जो लोगों के लिए हानिकारक

3. गैस व कार्बन डाइ ऑक्साइड → गैस व CO_2 के कारण वायु प्रदूषण होता है।

4. विषैली गैस → विषैली गैसों के कारण भी वायुप्रदूषण होता है।

BSEMP

ExaminationAns081.pm5

④ योग पूर्व पृष्ठ + पृष्ठ 4 के अंक = कुल अंक

B
S
E
M
P

ठ के अकों का योग

पूरक उ.पु. 4 पृष्ठ

माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्यप्रदेश, भोपाल

परीक्षक के लिये

चिन्ह तीर के निशान से मिलाकर लगायें

1. केन्द्र की सील
2. पर्यवेक्षक के हस्ताक्षर व दिनांक
3. केन्द्राध्यक्ष के हस्ताक्षर की सील हायर सेकेण्डरी परीक्षा
4. केन्द्र क्रमांक 711002
6. परीक्षा का नाम 711002
7. विषय 8. माध्यम
8. दिनांक

पृष्ठ

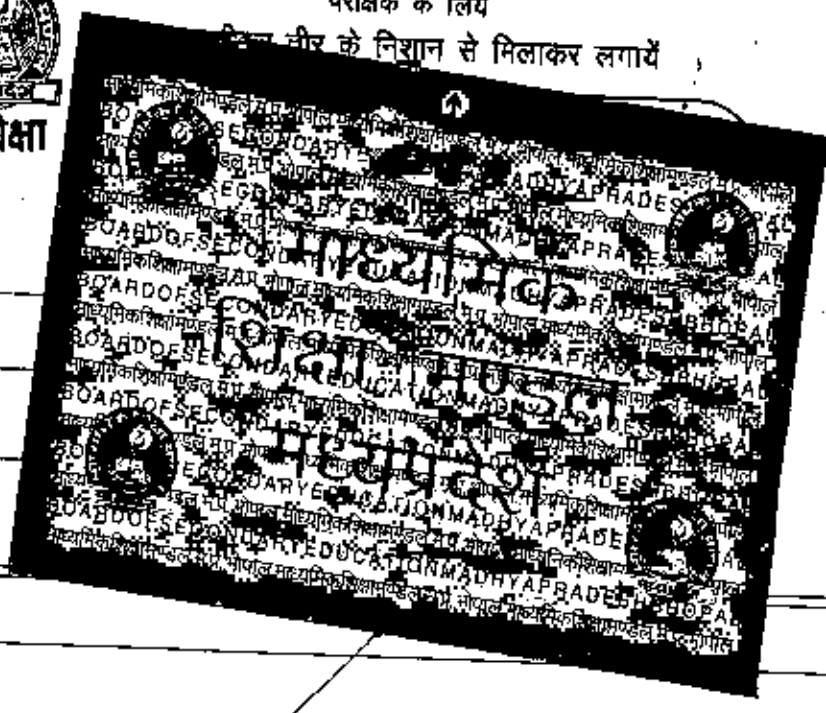

BSEMP

पृष्ठ के अंकों का योग

(2)

पृष्ठ 2 के अंक = कुल अंक

BSEMP

पृष्ठ के अंकों का योग

योग पूर्व पृष्ठ + पृष्ठ 3 के अंक = कुल अंक

B S E M P

पृष्ठ के अंकों का योग

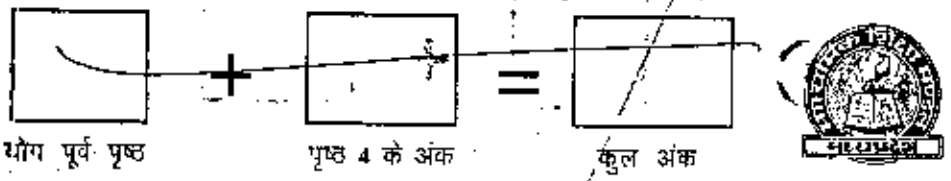

④

योग पूर्व पृष्ठ + पृष्ठ 4 के अंक = कुल अंक

B
S
E
M
P

7

के अंकों का योग